सांवरा जब मेरे साथ है | by Badal Batra

छाई काली घटाएं तो क्या इसकी छतरी के नीचे हूँ मैं
आगे आगे ये चलता मेरे मेरे मालिक के पीछे हूँ मैं
इसने पकड़ा मेरा हाथ है बोलो डरने की क्या बात है
सांवरा जब मेरे साथ है बोलो डरने की क्या बात है

इसकी महिमा का वर्णन करूँ मेरी वाणी में वो दम नहीं
जबसे इसका सहारा मिला फिर सताए कोई ग़म नहीं
श्याम करता करामात है बोलो डरने की क्या बात है
सांवरा जब मेरे साथ है .....

क्यों मैं भटकूं यहाँ से वहां इसके चरणों में है बैठना
झूठे स्वार्थ के रिश्ते सभी श्याम प्रेमी से रिश्ता बना
ये कराता मुलाकात है बोलो डरने की क्या बात है
सांवरा जब मेरे साथ है बोलो डरने की क्या बात है
इसके रहते कोई कुछ कहे बोलो किसकी ये औकात है
सांवरा जब मेरे साथ है .....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b8%e0%a4%be%e0%a4%82%e0%a4%b5%e0%a4%b0%e0%a4%be-%e0%a4%9c%e0%a4%ac-%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a5%87-%e0%a4%b8%e0%a4%be%e0%a4%a5-%e0%a4%b9%e0%a5%88-by-badal-batra/